Ldy eY;kdu dk mikxe

स्कूल मानक और मूल्यांकन की रूपरेखा स्व और बाह्य मूल्यांकन दोनों के लिए एक योजनाबद्ध उपकरण है। स्व–मूल्यांकन को विद्यालय मूल्यांकन प्रक्रिया की धुरी के रूप में जाना जाता है। बाह्य–मूल्यांकन का स्व–मूल्यांकन के पूरक के रूप में प्रयोग होता है और दोनों के फलस्वरूप स्कूलों की श्रेष्ठताओं एवं कमियों का निर्धारण होता है। इसका उद्देश्य विद्यालय के सुधार हेतु विद्यालय का संपूर्ण चित्रण करना है।

	Lo&eY;kdu	cká&eY;kdu
D;k	एक सतत् और चक्रीय प्रक्रिया जो विद्यालय की दिन–प्रतिदिन की गतिविधियों से जुड़ी है।	विद्यालय के कार्य निष्पादन की स्पष्ट और वस्तुनिष्ठ तस्वीर विकसित करने के लिए स्व–मूल्यांकन की पूरक प्रक्रिया।
dku	विद्यालय के सभी हित–धारक जिसमें विद्यालय प्रबंध समिति, विद्यालय विकास प्रबंध समिति भी शामिल है, इसमें जुड़े होते हैं और सहयोग से कार्य करते हैं	मूल्यांकनकर्ता विद्यालय से बाहर के होते हैं परन्तु शिक्षा विभाग से ही होते हैं, जैसे– शिक्षा अधिकारी, विद्यालय के मुख्य अध्यापक, अन्य लोक प्रशासक आदि।
dSl	स्व–मूल्यांकन प्रक्रिया में सभी हित धारकों को सजग और तैयार रखना, साक्ष्यों को एकत्रित करना और विश्लेषण करना, उत्तर सारिणी में निर्णय को रिकार्ड करना, विद्यालय मूल्यांकन डैशबोर्ड में समेकित रिपोर्ट तैयार करना शामिल होता है।	मूल्यांकनकर्ता विद्यालय के 'समालोचक मित्र' के रूप में कार्य करते हैं, स्व–मूल्यांकन दस्तावेजों का विश्लेषण और समीक्षा करते हैं, अध्यापकों, माता–पिता, बच्चों और अन्य हित–धारकों से अतिरिक्त जानकारी लेते हैं, कक्षा–कक्ष की व्यवस्था और विद्यालय की कार्य प्रणाली का निरीक्षण करते हैं, विद्यालय को उद्देश्यपूर्ण फीडबैक देते हैं, निर्णय को रिकार्ड करते हैं और मूल्यांकन रिपोर्ट को तैयार करते हैं, सुधार हेतु प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में सहयोग प्रदान करते हैं।
dc	सत्र के दौरान किया जाता है। (जुलाई–जून) (स्कूल मूल्यांकन डैशबोर्ड में भरी गई समेकित रिपोर्ट को सत्र के अन्त में जमा करने की आवश्यकता होती है।)	मध्य – सत्र में और सत्र की समाप्ति पर अभ्यास के रूप में यह एक वर्ष में दो बार नियोजित की जाती है। (राज्यों में अपने मापदण्ड के अनुसार बाह्य मूल्यांकन की आवृति के बारे में निर्णय लिया जा सकता है।)

ijd eY;kdu

eY;kdu d ckn Ldy l/kkj d y{; dh rjQ vxlj gkuk

Ldy	Cykd@ftyk	jkT;
डैशबोर्ड पर प्रत्येक मुख्य आयाम में निष्पादन के वर्तमान स्तर की समेकित रिपोर्ट प्रस्तुत करना क्षमताओं तथा सुधार के अवसरों का पता लगाना सुधार के लिए कार्यवाही निश्चित करना एवं प्राथमिकता स्तर निर्धारित करना स्कूल की विकास योजना बनाना, क्रियान्वयन तथा समीक्षा प्रक्रिया के द्वारा कुछ अंतराल के बाद प्रगति जांचना विभिन्न स्तरों पर (उप खण्ड/खण्ड/जिला) स्कूल की चिन्हित आवश्यकताओं के संदर्भ में उपयुक्त कार्यवाही पर विचारविमर्श करना	स्कूल मूल्यांकन डैशबोर्ड पर डिजिटल रूप में प्राप्त डेटा को समेकित करना, मुख्य आयामों तथा मूल मानकों पर स्कूलों के व्यक्तिगत एवं सामूहिक निष्पादन विश्लेषण के लिए डेटाबेस तैयार करना प्रत्येक स्कूल को उसकी आवश्यकता के अनुरूप मदद करना एवं तैयार करना, ऐसे विभिन्न क्षेत्रों का पता लगाना जिनमें उन्हें विभिन्न स्तर पर मदद की आवश्यकता है। स्थानीय संसाधनों की मदद से उपयुक्त कार्य संसाधनों के वितरण, व्यावसायिक नियोजन एवं विकास के लिए पहल करना	स्कूल मूल्यांकन डैशबोर्ड पर डिजिटल रूप में प्राप्त डेटा को समेकित करना, मुख्य आयामों तथा मूल मानकों पर स्कूलों के व्यक्तिगत एवं सामूहिक निष्पादन विश्लेषण के लिए डेटाबेस तैयार करना प्रत्येक स्कूल को उनकी आवश्यकता के अनुरूप मदद करना एवं तैयार करना, ऐसे विभिन्न क्षेत्रों का पता लगाना जिनमें उन्हें विभिन्न स्तरों पर मदद की आवश्यकता है। स्थानीय संसाधनों की मदद से उपयुक्त कार्य संसाधनों के वितरण, व्यावसायिक नियोजन एवं विकास के लिए पहल करना

jk"Vªh; Ldy ekud ,o eY;kdu dk;Øe% dk;Zlw ;ktuk

एन.पी.एस.एस.ई. विद्यालय मूल्यांकन के लिए एक समेकित और समग्र प्रयास है। इसका उद्देश्य आकार, संदर्भ और प्रबंधन के दृष्टिकोण से सभी प्रकार के विद्यालयों को सुनियोजित ढंग से अपने अन्तर्गत लाना है। एन.पी.एस.एस.ई. प्रभावी क्रियान्वयन सामग्री के विकास, मानव संसाधनों के महत्वपूर्ण वर्ग की कार्य क्षमता, सांस्थानिक सहयोग और व्यवस्था की आवश्यकता पर बल देता है। इसके अतिरिक्त, अनुसंधान एक व्यापक गतिविधि है जो एन.पी.एस.एस.ई. के प्रत्येक चरण के लिये आधार तैयार करती है।

fuEufyf[kr nLrkotksa dk ,uih,l,lbZ dk;Øe d ,d Hkkx ¼fgLlk½ d :i esa fodflr fd;k x;k gS%

1- jk"Vªh; Ldy ekud ,o eY;kdu dk;Øe ,uih,l,lbZ% dk;Øe nLrkot
2- Ldy ekud ,o eY;kdu dh :ijs[kk ¼SSEF½
3- Ldy eY;kdu d fy, fn'kkfunsZ'k
4- fo|ky; eY;kdu M'kcksMZ ,o oc ikVZy

oc ikVZy

स्कूल मानक और मूल्यांकन को स्थायी बनाने के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम एक समर्पित और संवादात्मक (Interactive) वेब पोर्टल द्वारा संचालित हैं। वेब पोर्टल में कार्यक्रम संबंधी सभी दस्तावेज़ हैं जो सभी उपयोगकर्त्ताओं द्वारा डाउनलोड किए जा सकते हैं। वेब पोर्टल संवादात्मक मंच है जहाँ प्रत्येक विद्यालय अपनी स्व–मूल्यांकन रिपोर्ट ऑनलाइन जमा कर सकता है। बाह्य मूल्यांकनकर्ता को भी अपनी मूल्यांकन रिपोर्ट देने के लिए इसी वेब पोर्टल का प्रयोग करना होता है। स्व तथा बाह्य विद्यालय मूल्यांकन रिपोर्ट के साथ एक समेकित विद्यालय मूल्यांकन रिपोर्ट ऑनलाइन तैयार की जाती है।
प्रत्येक विद्यालय का यू.डी.आई.एस.ई. (UDISE) कोड ही उनका लॉग इन आई डी है जिसके द्वारा वह अपना पासवर्ड बना सकता है। इसी प्रकार सभी ब्लॉक, जिला और राज्य अपनी लॉग इन आईडी और पासवर्ड बना सकते हैं। वेब पोर्टल की यह विशेषता है कि इसमें प्रत्येक विद्यालय की मूल्यांकन रिपोर्ट अभिभावक और आम नागरिक सभी को उपलब्ध होती है और वे अपना फीडबैक भी दे सकते हैं।
वेब पोर्टल का उपयोग निम्नलिखित सभी हितधारकों के द्वारा किया जा सकता है–

1- fo|ky;
- यूडाईस कोड को लॉग–इन आईडी के रूप में प्रयोग करते हुए अपनी लॉग–इन आईडी बनाते हैं और अपना पासवर्ड बना सकते हैं।
- विद्यालय सुधार के लिए स्व–मूल्यांकन आंकड़े और कार्य योजना को ऑनलाइन भरते हैं।
- स्व–मूल्यांकन आंकड़े भरने के पश्चात् विद्यालय की स्व–मूल्यांकन रिपोर्ट तैयार होती है।

2- ckÑ eY;kdudrkZ
- संबंधित विद्यालय के लिए लॉग–इन आईडी और पासवर्ड बना दिया जाता है।
- संबंधित विद्यालय की स्व–मूल्यांकन रिपोर्ट देखना।
- बाह्य–मूल्यांकन आंकड़े को भरना और बाह्य–मूल्यांकन रिपोर्ट को निकालना।

3- lefdr eY;kdu fjikVZ
- स्व–मूल्यांकन और बाह्य–मूल्यांकन दोनों को शामिल करते हुए समेकित विद्यालयी मूल्यांकन रिपोर्ट ऑनलाइन प्रस्तुत करना।

4- Cykd] ftyk] jkT; vkj jk"Vªh; Lrj
- ब्लॉक, जिला और राज्य राष्ट्रीय स्तर के लिए लॉग–इन आईडी और पासवर्ड बनाना।
- प्रत्येक विद्यालय की मूल्यांकन रिपोर्ट देखना, ब्लॉक और जिला स्तर पर प्रक्रिया और प्रगति की निगरानी।
- विद्यालय कार्य निष्पादन मूल्यांकन का सार तैयार करना और ब्लॉक, जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर सभी आयामों में मूल मानकों के स्तर का विश्लेषण करना।

jk"Vªh; Ldy ekud ,o eY;kdu dk;Øe ¼jk-Mh-,l-,l-bZ-½

शाला सिद्धि
SHAALA SIDDHI

l/kkj gr eY;kdu

nf"Vdks.k (Vision)

^^jk"Vªh; Ldy ekud ,o eY;kdu dk;Øe dh ifjdYiuk ,d ,sls ldkjkRed dne ds :i esa dh xbZ g ftlds }kjk fo|ky;ksa dk Lo;a l/kkj gr fujUrj i;kl djus ds fy;s l{ke cukuk vif{kr gSA**







Ldy ekud ,o eY;kdu bdkbZ
jk"Vªh; 'kf{kd ;ktuk ,o i'kklu fo'ofo|ky; ¼U;ik½
17&ch] Jh vjfcUnks ekx] ubZ fnYyh&110016 ¼Hkkjr½
oSclkbV% www.nuepa.org, www.nuepa.eduplan.nic.in, b&esy& usse@nuepa.org

*^fo|ky;h f'k{kk d Lrj e lq/kkj d fy, ge flQkfj'k djr gSa fd fo|ky;h lq/kkj gr ,d jk"Vªh;&kh dk;Øe ikjHk fd;k tk; ftld vrxZr iR;sd fo|ky; d fy, ,d ifjfLFkfr;k mRiUu dh tk,a ftld og viuh {kerk d vuq:i vPN ifj.kke dh ikfIr gr fujUrj i;kljr jgs*A*

f'k{kk vk;kx 1964&66

भारतीय शिक्षा में प्रभावी विद्यालयों एवं विद्यालय संचालन में गुणवत्ता लाने की आवश्यकता लगातार महसूस की जाती रही है ताकि सभी बच्चों के लिये गुणात्मक शिक्षा की व्यवस्था संभव हो सके। विद्यालयी शिक्षा में गुणवत्ता हेतु किए जाने वाले प्रयासों के लिए आवश्यक है कि विद्यालय के कार्य निष्पादन और सुधार पर ध्यान केंद्रित किया जाए। अतः विद्यालयी सुधार हेतु व्यापक एवं समग्र विद्यालय मूल्यांकन व्यवस्था की आवश्यकता पर उत्तरोत्तर अधिक बल दिया जा रहा है।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अंतर्गत राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासनिक विश्वविद्यालय राष्ट्रीय स्कूल मानक एवं मूल्यांकन कार्यक्रम चला रहा है। स्कूल मानक एवं मूल्यांकन का राष्ट्रीय कार्यक्रम एक ऐसी पहल है जिसका उद्देश्य प्रत्येक विद्यालय का एक संस्था के रूप में मूल्यांकन करना और जवाबदेही के साथ स्व–उन्नयन की संस्कृति का विकास करना है।

राष्ट्रीय स्कूल मानक एवं मूल्यांकन कार्यक्रम ''विद्यालय मूल्यांकन'' को साधन के रूप में और ''विद्यालय सुधार'' को साध्य के रूप में देखता है। यह कार्यक्रम देश के सभी विद्यालयों को स्कूल मूल्यांकन की सतत् एवं संस्थागत व्यवस्था के अंतर्गत लाने का प्रयास है।

राष्ट्रीय स्कूल मानक एवं मूल्यांकन कार्यक्रम 'गुजरात के गुणोत्सव', 'उड़ीसा के समीक्षा कार्यक्रम', 'कर्नाटक विद्यालयी गुणात्मक आकलन एवं मान्यता द्वारा विकसित मूल्यांकन रूपरेखा' इत्यादि विद्यालय मूल्यांकन संबंधी वर्तमान प्रयासों एवं प्रक्रियाओं पर आधारित है। यह कार्यक्रम विद्यालय मूल्यांकन पर अन्तर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय शोधों पर भी आधारित है।

jk"Vªh; Ldy ekud ,oa eY;kdu dk;Øe dk ekxZn'kh fl)kar

- यह संवैधानिक मूल्यों, राष्ट्रीय शिक्षा नीतियों, पाठ्यचर्या की रूपरेखा, निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा अधिकार अधिनियम'2009, एवं राष्ट्रीय योजनाओं जैसे सर्व शिक्षा अभियान, राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान पर आधारित है।
- यह विद्यार्थी को केन्द्र में रखते हुए विद्यालय को मूल्यांकन की इकाई के रूप में देखता है।
- विद्यालय मूल्यांकन को सतत् प्रक्रिया स्वीकार करते हुए यह विद्यालय में उत्तरोत्तर सुधार पर बल देता है।
- यह विद्यालय मूल्यांकन को विभिन्न स्तरों पर सभी हितधारकों के सहयोगपूर्ण प्रयास के रूप में देखता है।
- यह प्रत्येक विद्यालय को अपने कार्यों को समझने के लिए सक्षम बनाता है जिससे वे सतत् स्व–सुधार की ओर अग्रसर हो सकें।

jk"Vªh; Ldy ekud ,oa eY;kdu dk;Øe dk e[; mís';&

- भारतीय विद्यालयों की विविधता के अनुरूप तकनीकी रूप से उपयुक्त अवधारणात्मक रूपरेखा, प्रविधि, मूल्यांकन उपकरण और मूल्यांकन प्रक्रिया का विकास करना।
- राज्यों में संस्थागत मशीनरी की स्थापना के लिए मानव संसाधनों का विकास करना ताकि स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप स्कूल मूल्यांकन रूपरेखा में बदलाव किया जा सके।
- विद्यालय एवं शिक्षा विभाग के कर्मचारियों की क्षमताओं का विकास करना ताकि वे स्कूल मूल्यांकन के माध्यम से विद्यालय सुधार के लिय सतत् प्रयासरत रहें।
- विद्यालय प्रासंगिक आवश्यकताओं के अनुरूप व्यवस्था में बदलाव लाना, स्कूल मूल्यांकन रिपोर्ट का विश्लेषण करना और उपयुक्त नीतिगत परिवर्तन करना।

^Ldy eY;kdu* dk ek/;e ls ^Ldy lq/kkj*

- प्रत्येक विद्यालय अपने परिप्रेक्ष्य, आकार, परिस्थति और संसाधनों के संदर्भ में विशिष्ट होता है।
- विद्यालय को राष्ट्रीय दृष्टिकोण को पूर्णरूप से लागू करने का जनादेश प्राप्त है।
- स्कूल मूल्यांकन से अभिप्राय है किसी विद्यालय विशेष के कार्यों का सतत् एवं समग्र मूल्यांकन।
- प्रत्येक विद्यालय अपनी वर्तमान गतिविधियों के आलोचनात्मक विश्लेषण के आधार पर अपने सशक्त एवं कमज़ोर पहलुओं की पहचान करे और अपनी न्यूनताओं को दूर करने का प्रयास करे।
- विद्यालय मूल्यांकन में सभी हितधारकों की सक्रिय सहभागिता एवं सहयोगात्मक प्रवृति का विकास होता है जिसके फलस्वरूप व्यावसायिक निर्णय करना संभव हो जाता है।
- अनुभवों के सामूहिक आदान–प्रदान और चिन्तन के माध्यम से स्कूल मूल्यांकन शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया और अध्यापकों को समृद्ध करता है।
- स्कूल मूल्यांकन में अन्तर्निहित समीक्षा प्रविधि के प्रावधान से अधिक अच्छा नियोजन और उसका प्रभावी क्रियान्वयन संभव हो पाता है।
- स्कूल मूल्यांकन विद्यालय विशेष को समग्रता में सशक्त करता है ताकि परिवर्तन को अपनाते हुए स्थायी बदलाव को सुनिश्चित किया जा सके।



Ldy ekud ,oa eY;kdu dh :ijs[kk ¼,l,lbZ,Q½

स्कूल मानक एवं मूल्यांकन रूपरेखा का विकास स्कूल मूल्यांकन के लिए व्यापक साधन के रूप में किया गया है। यह रूपरेखा विद्यालय को अपनी गतिविधियों का पूर्वपरिभाषित मानकों के अनुरूप मूल्यांकन करने में सहायक सिद्ध होगी।

एसएसईएफ को राज्य स्तर के अधिकारियों, जिला एवं ब्लॉक स्तर के शिक्षा अधिकारियों, शिक्षाविदों, विद्यालय प्रमुखों, शिक्षक संघ, अध्यापकों आदि की सहभागिता से विकसित किया गया है। यह रूपरेखा सभी हितधारकों की पारस्परिक सहमति पर आधारित है कि विद्यालय सुधार हेतु विद्यालय मूल्यांकन किस प्रकार से किया जाए।

एसएसईएफ में सात 'मुख्य आयाम' हैं जो कि विद्यालय के कार्यों के मूल्यांकन के महत्त्वपूर्ण मानदण्ड हैं। प्रत्येक 'मुख्य आयाम' में मूल मानकों का एक समूह है जो उस कार्यक्षेत्र के अधिकतर महत्त्वपूर्ण घटकों के बारे में बताता है। प्रत्येक मुख्य आयाम के क्रमबद्ध चरण हैं 'विचारार्थ आधारबिंदु', 'तथ्यात्मक जानकारी', 'मूल मानक' (विवरणात्मक विषयवस्तु) एवं 'सहायक साक्ष्य'। ये सब मिलकर स्कूल के कार्य–स्तर के बारे में गुणात्मक निर्णय लेने में सहायक होते हैं। प्रत्येक आयाम के अंत में एक उत्तर सारिणी दी गई है जिसमें निर्णयों को लिखा जाता है। प्रत्येक स्कूल से अपेक्षा की जाती है कि वह स्कूल मूल्यांकन डैशबोर्ड के रूप में विद्यालय मूल्यांकन की समेकित रिपोर्ट तैयार करे। यह रूपरेखा में राज्य विशिष्ट भाषा के संदर्भ में अनुकूलन, संदर्भीकरण तथा अनुवाद के लिए अवसर प्रदान करता है।

Ldy ekud ,oa eY;kdu :ijs[kk dh e[; fo'ks"krk,a

- यह रूपरेखा स्व–मूल्यांकन एवं बाह्य–मूल्यांकन दोनों के लिए व्यापक साधन है।
- यह रूपरेखा विभिन्न प्रकार के स्कूलों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए राज्यों को वे विद्यालयों की विविध आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु इसमें उपयुक्त बदलाव करने की छूट प्रदान करती है।
- इसका उपयोग विद्यालय एवं बाह्य मूल्यांकनकर्ताओं द्वारा तर्कसंगत ढंग से आसानी से किया जा सकता है।
- यह रूपरेखा मूल्यांकन प्रक्रिया को सतत और पारदर्शी बनाती है।
- यह रूपरेखा विद्यालय के मुख्य आयामों को चिह्नित करती है और प्रत्येक मुख्य आयाम के अंतर्गत मूल्यांकन एवं सुधार हेतु मूल मानकों का निर्धारण करती है।

e[; vk;ke	e;y ekud
स्कूल संसाधनः उपलब्धता, पर्याप्तता, और उपयोगिता	उपलब्ध भौतिक संरचना की गुणात्मकता क्या है, मानव संसाधन एवं शिक्षण–अधिगम संसाधन की उपलब्धता एवं गुणवत्ता कितनी है? (12 मानक)
शिक्षण–अधिगम एवं आकलन	शिक्षण–अधिगम तथा आकलन प्रक्रिया कितनी प्रभावी है? (9 मानक)
बच्चों की प्रगति, उपलब्धि एवं विकास	बच्चों की सीखने में प्रगति एवं उपलब्धि कितनी है और व्यक्तिगत और सामाजिक विकास कैसा है? (5 मानक)
अध्यापकों के कार्य निष्पादन का प्रबंधन एवं व्यावसायिक विकास	अध्यापक कार्य निष्पादन का प्रबंधन और विकास कैसा होता है? (6 मानक)
विद्यालय नेतृत्व और प्रबंधन	स्कूल का नेतृत्व एवं प्रबंधन कैसा है? (4 मानक)
समावेशन स्वास्थ्य और सुरक्षा	स्कूल कितना समावेशी एवं सुरक्षित हैं? (5 मानक)
समुदाय की गुणात्मक सहभागिता	समुदाय एवं स्कूल का आपसी संबंध कितना प्रभावी है? (5 मानक)



स्कूल मूल्यांकन एवं सुधार प्रक्रिया